

This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit.

The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

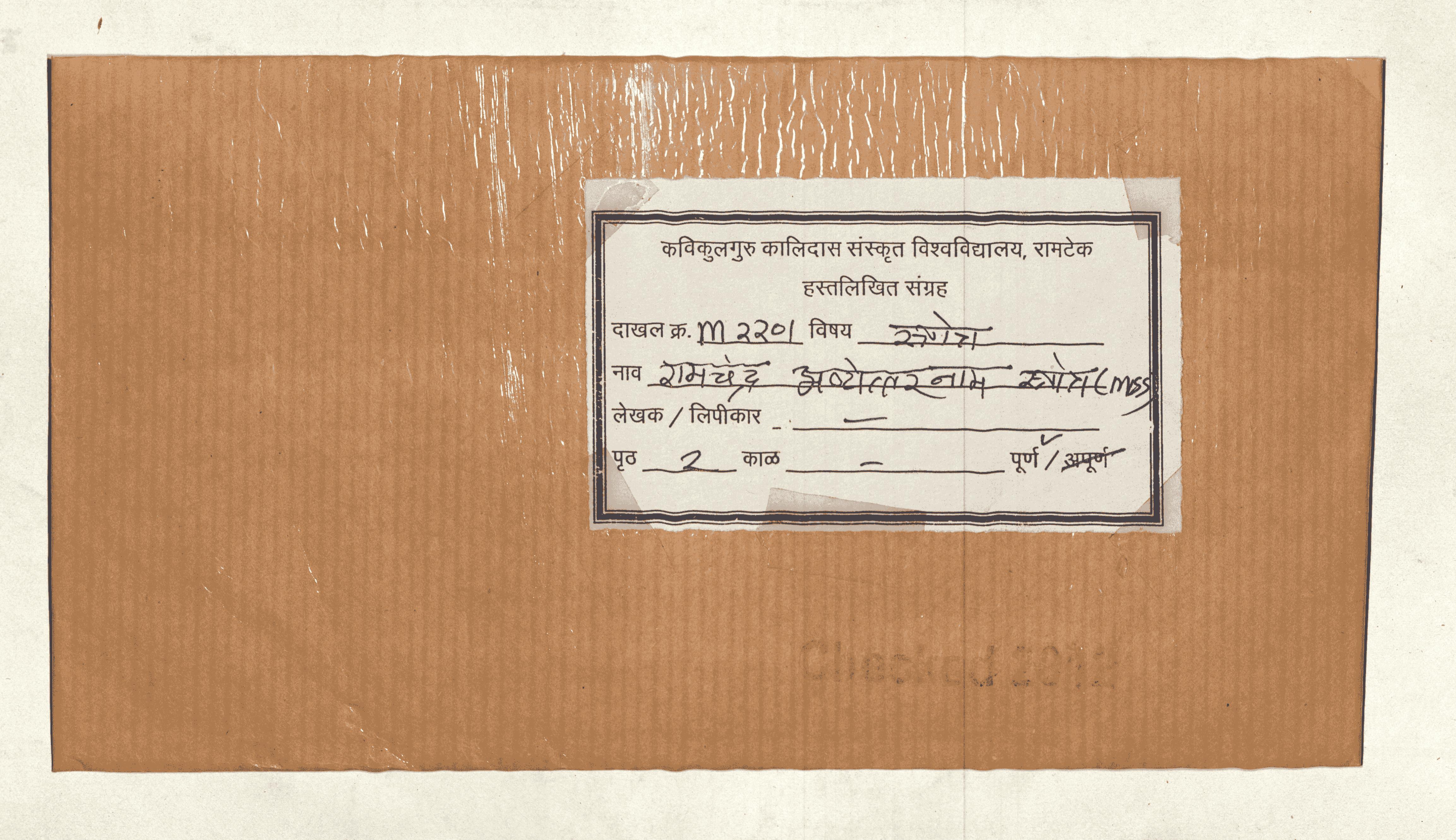
https://www.namami.gov.in/

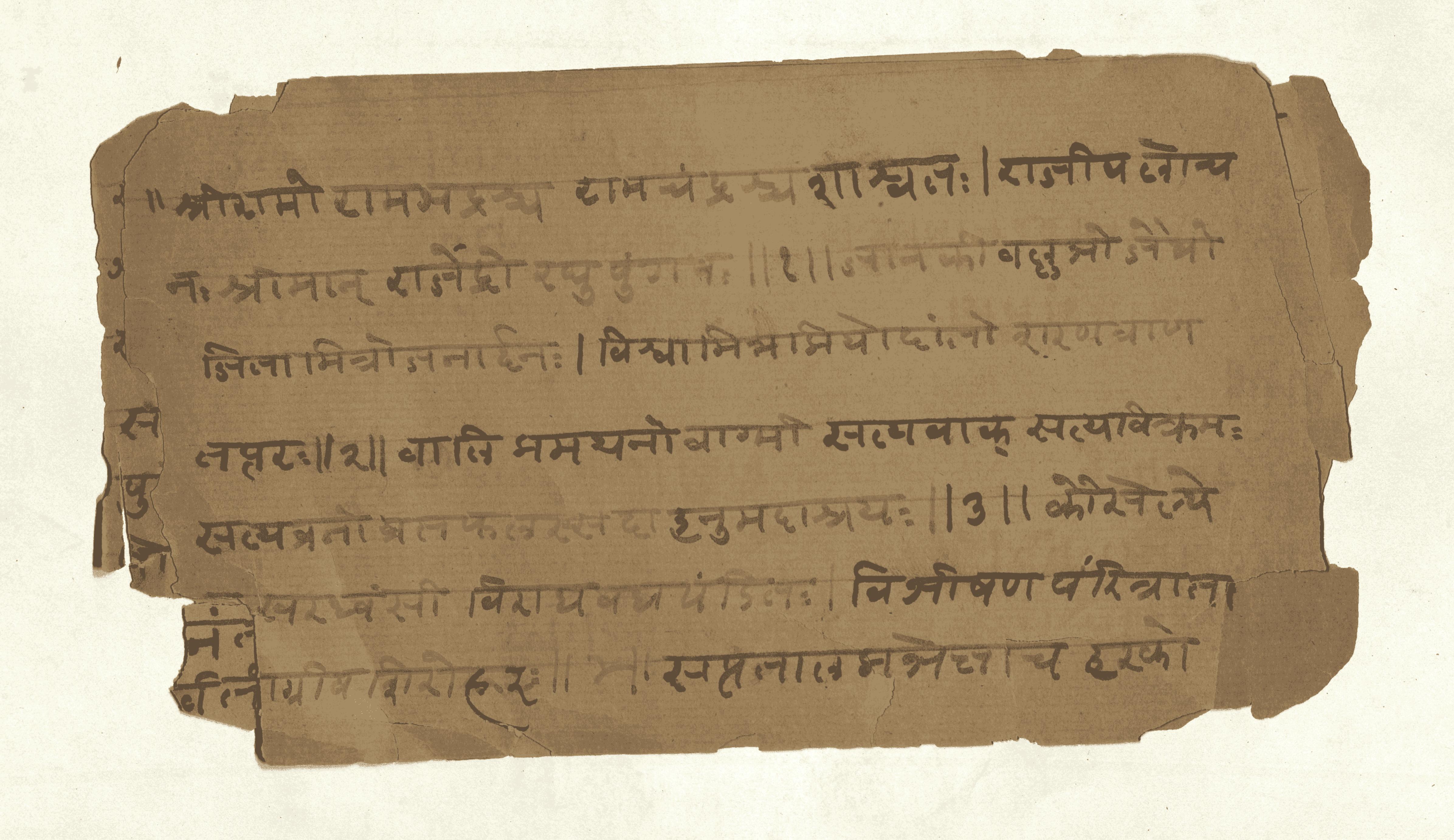
Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi https://egangotri.wordpress.com/

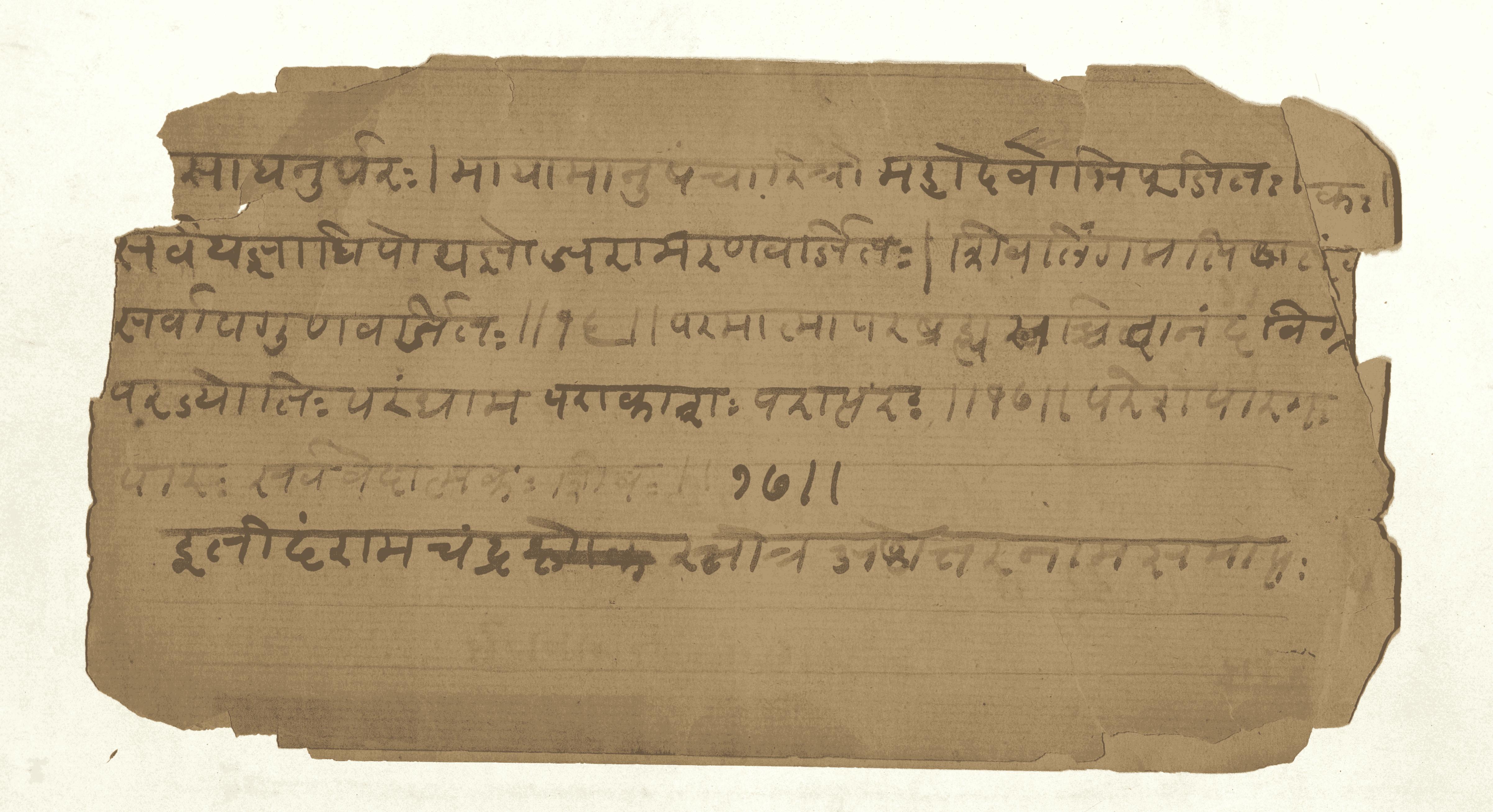




CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

वंदाल सारे वेदाला अवने वा स्वाहित हैं नरता द कां लका। वेदाल सारे वेदाला स्वाहित स्वाहित हैं विष्णा निर्मार हैं वेदाल सारे वेदाला स्वाहित स्वाहित हैं का प्रवाहित हैं विष्णा निर्मार की की तिने हैं विष्णा की सारे की सार

सर्विद्याधियेत्रेते मृत्वानर्जायनः। मायामारोप्यं द्वा प्रमुर्
भौगो महामुनः। १०॥ सर्विदेवः रचुर्तिद्वान्ये प्रमुण्यामुनि
संभितः। महायोगो महादादा द्वा ग्रीवरा द्वा दायकः। १११
सर्वे पुण्याधिक कता रम् त्वस्वर्ण धना त्रानः। उत्ताहित् प्रमिद्धः
पुषी परमः वृद्ध्यस्त्या। ११८ ॥ पुण्याद्यो महाखारः पुराणपुर
हालमः। स्मित्व को मितामाशी प्रविभाषी स्व राप्यतः। १३
नित्रे गुण्यांभी रा स्विद्धिस्गुणे कमः। द्वालक नु नित्तारि
दित्ती भी में शहरे । १० ॥ द्वा मांगा संदिर्दे द्वारा प्रान



```
[OrderDescription]
,CREATED=11.09.19 11:00
,TRANSFERRED=2019/09/11 at 11:03:26
,PAGES=4
,TYPE=STD
,NAME=S0001728
,Book Name=M-2201-RAMCHANDRA ASHTOTTARNAM STROT
,ORDER_TEXT=
,[PAGELIST]
,FILE1=00000001.TIF
,FILE2=00000002.TIF
,FILE3=00000003.TIF
,FILE4=00000004.TIF
```